an>

Title: Regarding alleged scam involved in the purchase of paddy crops in the country.

श्री सुशील कुमार सिंह (औरंगाबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं सीएजी की एक रिपोर्ट की चर्चा आपके माध्यम से सदन में करना चाहता हूँ। बिहार में चारा घोटाले की तर्ज पर और चारा घोटाले से भी लगभग 40 गुना अधिक राशि का गबन हुआ है। सीएजी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि वित्तीय वर्ष 2009 से वित्तीय वर्ष 2013-14 तक किसानों की धान की खरीद के नाम पर â€¦* कर दिया गया है। ये किसानों के जले हुए घावों पर नमक छिड़कने जैसा है। किसानों को जब इस समाचार की जानकारी हुई तो उन लोगों का दिल दल गया। एक तरफ तो किसान सूखे से पीड़ित है, जिनकी फसल हुई भी है, सरकारी दर पर उनके धान की खरीद नहीं हो रही है और दूसरी तरफ उन्हीं के नाम पर â€¦ * पिछले कई वित्तीय वर्षों में बिहार सरकार द्वारा किया गया है। देश के किसानों के लिए यह घोर आपत्तिजनक ही नहीं शर्मनाक भी है। महोदय, उस रिपोर्ट में इस चर्चा या जिक्र है कि जिस तरह से चारा घोटाले में भूसा या चारा की ढुलाई स्कूटर या मोटरसाइकल पर हुई थी, ठीक उसी तरह से इस धान खरीद के घोटाले में भी धान मीलों तक स्कूटर से, बाइक से ...(व्यवधान)

HON. DEPUTY-SPEAKER: This is a State subject.

â€¦(व्यवधान)

SHRI SUSHIL KUMAR SINGH: Sir, this is not a State subject only. This is a big scam. ...(व्यवधान)

HON. DEPUTY-SPEAKER: Making allegations is not allowed.

...(*Interruptions*)

श्री सुशील कुमार सिंह: उपाध्यक्ष महोदय, पार्लियामेंट में यह सीएजी की रिपोर्ट है। ...(व्यवधान) पार्लियामेंट में सीएजी की रिपोर्ट पेश हुई है। ...(व्यवधान)

HON. DEPUTY-SPEAKER: You can mention about the irregularities. But do not make a mention of so much of amount which you cannot substantiate. If you want to raise a thing like this, then you have to give in writing that you want to make these allegations, otherwise the allegations cannot go on record.

â€¦(व्यवधान)

श्री सुशील कुमार सिंह: उपाध्यक्ष महोदय, यह â€¦ * है और किसानों से जुड़ा हुआ मामला है। ...(व्यवधान) अखबारों में यह खबर प्रमुखता से छपी है। ...(व्यवधान) यह बहुत महत्वपूर्ण मामला है। ...(व्यवधान) आपके माध्यम से भारत सरकार से यह कहना चाहता हूँ कि इस घोटाले की जांच सीबीआई से कराई जाए और जो भी इसके लिए दोषी हैं, जिन लोगों ने किसानों के नाम पर इतनी बड़ी राशि का घोटाला किया है, सीबीआई इसकी जांच करे। दूध का दूध पानी का पानी हो। जो दोषी हैं, देश के कानून के तहत उन्हें कड़ी से कड़ी मिले। मैं यह मांग आपके माध्यम से भारत सरकार से करना चाहता हूँ।

माननीय उपाध्यक्ष : श्री अश्विनी कुमार चौबे एवं श्री सुनील कुमार सिंह को श्री सुशील कुमार सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।